1001

B.A./B.Sc./B.Com.(Part-I) Examination, 2024

(Faculty of Arts)

[Also Common with subsidiary paper of B.A. (Hons.) Part-I]

(Three Year Scheme of 10+2+3 Pattern)

General Hindi (सामान्य हिन्दी)

Time: Three Hours
समय: 3 घंटे

Maximum Marks: 100
अधिकतम अंक: 100

प्रश्नों के उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न-पत्र पर रोल नम्बर अवश्य लिखें। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु निर्धारित अंक उसके सामने अंकित हैं।

किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जाएगी। अतः परीक्षार्थियों को चाहिए कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर सही ढंग से लिखें।

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

(क) बाबा भारती चले गए। परंतु उनके शब्द खड़गसिंह के कानों में उसी प्रकार गूँज रहे थे। सोचता था, कैसे ऊँचे विचार हैं, कैसा पवित्र भाव है! उन्हें इस घोड़े से प्रेम था, इसे देखकर उनका मुख फूल की नाई खिल जाता था। कहते थे, 'इसके बिना मैं रह न सकूँगा'। इसकी रखवाली में वे कई रात सोए नहीं। भजन-भक्ति न कर रखवाली करते रहे। परंतु आज उनके मुख पर दुख की रेखा तक दिखाई न पड़ती थी। उन्हें केवल यह ख्याल था कि कहीं लोग दीन-दुखियों पर विश्वास करना न छोड़ दें। (5)

अथवा

गाय के नेत्रों में हिरन के नेत्रों जैसा चकित विस्मय न होकर एक आत्मीय विश्वास ही रहता है। उस पशु की मनुष्य से यातना ही नहीं, निर्मम मृत्यु तक प्राप्त होती है, परंतु उसकी आँखों के विश्वास का स्थान न विस्मय ले पाता है, न आतंक। महात्मा गाँधी ने गाय करुणा की कविता है, क्यों कहा, यह उसकी आँखे देखकर ही समझ आ सकता है।

(ख) सात समुंदर पार से आए अंग्रेजों को समाज के कर्तव्यबोध का न तो विशाल सागर दिख पाया, न उसकी बूँदें। उन्होंने अपने यहाँ के अनुभव और प्रशिक्षण के आधार पर यहां के राज में दस्तावेज जरूर खोजने की कोशिश की, लेकिन वैसे रिकॉर्ड राज में रखे नहीं जाते थे। इसलिए उन्होंने मान लिया कि यहाँ सारी व्यवस्था उन्हीं को करनी है। यहाँ तो कुछ है ही नहीं। (5)

अथवा

मुझे लगता है, तुम किसी सख्त चीज को ठोकर मारते रहे हो। कोई चीज जो परत-पर-परत सदियों से जम गई है, उसे शायद तुमने ठोकर मार-मारकर अपना जूता फाड़ लिया। कोई टीला जो रास्ते पर खड़ा हो गया था, उस पर तुमने अपना जूता आज़माया। तुम उसे बचाकर, उसके बगल से भी तो निकल सकते थे। टीलों से समझौता भी तो हो जाता है। सभी नदियाँ पहाड़ थोड़े ही फोड़ती हैं, कोई रास्ता बदलकर, घूमकर भी तो चली जाती हैं।

प्र.2 निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

(क) जसोदा हरि पालनें झुलावै। (5)
हलरावै, दुलरावै मल्हावै, जोइ–सोइ कछु गावै।।
मेरे लाल को आउ निंदरिया, काहै न आनि सुवावै।
तू काहै नहिं बेगहिं आवै, तोको कान्ह बुलावै।।
कबहुँ पलक हरि मूंदि लेत है, कबहुं अधर फरकावै।
सोवत जानि मौन है कै रहि, करि–करि सैन बतावै।।
इहिं अंतर अकुलाइ उठै हरि, जसुमति मधुरै गावै।
जो सुख सूर अमर–मुनि–दुरलभ, सो नंद–भामिनी पावै।।

अथवा

मन थे परस हरि के चरण।
सुभग सीतल कँवल कोमल, त्रिविध ज्वाला हरण।
जिण चरण प्रहलाद परसे, इंद्र पदवी धरण।
जिण चरण ध्रुव अटल कीने, राखि अपनी सरण।
जिण चरण ब्रह्मांड भेटयो, नखसिखाँ सिरी धरण।
जिण चरण प्रभु परसि लीने, तरी गौतम धरण।
जिण चरण कालीनाग नाथ्यो, गोपलीला करण।
जिण चरण गोबरधन धारयो, इन्द्र को गरब हरण।
दासि मीराँ लाल गिरधर, अगम तारण तरण।

(ख) उल्का सी रानी दिशा दीप्त करती थी, (5)
सबमें भय, विस्मय और खेद भरती थी।
क्या कर सकती थी मरी मंथरा दासी,
मेरा ही मन रह सका न निज विश्वासी।
जल पंजरगत अरे अधीर, अभागे,
वे ज्वलित भाव थे स्वयं तुझी में जागे।
पर था केवल क्या ज्वलित भाव ही मन में?
क्या शेष बचा था कुछ न और इस जन में?

अथवा

मैं डूबा नहीं उमड़ा–उतराया,
फिर भीतर
दाता खिल आया।
हँसा, हँस कर तुम्हें बुलाया:
लो, यह स्मृति, यह श्रद्धा, यह हँसी,
यह आहूत, स्पर्श–पूत भाव
यह मैं, यह तुम, यह खिलना,
यह ज्वार, यह प्लवन,
यह प्यार, यह अडूब उमड़ना,
सब तुम्हें दिया।

प्र.3 (क) 'हार की जीत' कहानी की संवेदना पर प्रकाश डालिए।

अथवा (7½)

'नाखून क्यों बढ़ते हैं' निबंध का सार लिखिए तथा उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'असीम और ससीम के बीच' संस्मरण के आधार पर बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

अथवा (7½)

"स्टिल लाइफ' रिपोर्ताज विधा का श्रेष्ठ उदाहरण है"। स्पष्ट कीजिए।

प्र.4 (क) भगवान राम के अनुसार कैसे रथ वाला व्यक्ति दुर्जय शत्रु को जीत सकता है? (7½)

अथवा

कबीर की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए।

(ख) नीति कवि के रूप में रहीम पर विचार कीजिए। (7½)

अथवा

निराला की 'वह तोड़ती पत्थर' कविता के मूलभाव को स्पष्ट कीजिए।

प्र.5 (क) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 300 शब्दों में निबंध लिखिए – (8)

(i) मेरे सपनों का भारत
(ii) सोशल मीडिया : कितना जरूरी?
(iii) समाज में वृद्धों की स्थिति
(iv) ग्रीन हाउस इफैक्ट
(v) पढ़ेगी बेटी, तभी तो बढ़ेगी बेटी

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक पंक्ति के अर्थ का पल्लवन कीजिए – (5)

(i) जहाँ न पहुँचे रवि, वहाँ पहुँचे कवि।
(ii) मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।
(iii) करत–करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।

(ग) निम्नलिखित अवतरण का एक तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए – (5)

(i) किसी देश की उन्नति एवं अवनति उस देश के साहित्य पर ही अवलंबित है। चाहे वह देश को उन्नति की चरम दिशा पर पहुँचा दे और चाहे तो अवनति के गर्त में गिरा दे। कवि रवि की पहुँच से भी अधिक प्रकाश करता है। वही निर्जीव जाति में प्राण–प्रतिष्ठा करता और निराशापूर्ण हृदय में आशा का संचार करता है। वही राजनीति की प्रेरणा देता तथा राजनीतिज्ञों का पथ प्रदर्शन करता है। वही अतीत के गौरव–गीत गाता है और साथ ही भविष्य की स्वर्णिम कल्पना करता है; वही सोई हुई जाति को जगाता है और उत्साह का संचार करता है।

अथवा

राष्ट्रभाषा की आवश्यकता राष्ट्रीय सम्मान की दृष्टि से भी है। अपने को एक ही राष्ट्र के निवासी मानने वाले दो व्यक्ति किसी विदेशी भाषा में बातें करें – यह हास्यास्पद असंगति है। इस बात का द्योतक भी है कि उस देश में कोई समुन्नत भाषा नहीं है। दूसरे के सामने हाथ पसारना समृद्धि का नहीं, दरिद्रता का चिह्न है। दूसरे की भाषा से काम चलाना भी बहुत कुछ वैसा ही है। जिसकी अपनी भाषा है वह दूसरे की भाषा उधार क्यों ले? इससे राष्ट्रीय सम्मान में बट्टा लगता है।

1002563

(घ) (i) निदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के द्वारा जिला कलेक्टर, जयपुर को चिकित्सकीय दल एवं उपकरण भेजने के लिए पत्र लिखिए। (3½)

अथवा

अपने क्षेत्र में बढ़ती चोरियों के लिए पुलिस महानिरीक्षक को शिकायती पत्र लिखिए।

(ii) शासन सचिव द्वारा विद्युत खर्च में बचत हेतु ज्ञापन लिखिए। (3½)

अथवा

सवाई मानसिंह चिकित्सा महाविद्यालय, जयपुर से आयुष भंडारी (मनोचिकित्सा विभागाध्यक्ष) की पदोन्नति का कार्यालय आदेश तैयार कीजिए।

(ङ) निम्नलिखित उपसर्गों से दो–दो शब्द बनाइए – (2)

(i) अनु (ii) प्रति

(च) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों का समास विग्रह कीजिए – (3)

(i) आजीवन (ii) लम्बोदर

(iii) हस्तलिखित (iv) माँ–बाप

(छ) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए – (3)

(i) रेडियो की उत्पत्ति किसने की?

(ii) हत्यारे को मृत्युदंड की सजा मिल गई।

(iii) अंत में दुश्मन मैदान से दौड़ खड़ा हुआ।

(ज) निम्नलिखित में से किन्हीं दो मुहावरों का अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए – (5)

(i) अपना उल्लू सीधा करना

(ii) कान का कच्चा होना

(iii) दाँत खट्टे करना

(iv) हाथ मलना

(झ) निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध रूप में लिखिए – (2)

(i) युधिष्ठर (ii) आर्शीवाद

(ञ) किन्हीं पाँच पारिभाषिक शब्दों का हिन्दी अर्थ लिखिए – (5)

(i) Ad hoc

(ii) Body

(iii) Cadre

(iv) Deputation

(v) Fundamental

(vi) Quorum

(ट) संज्ञा की परिभाषा देते हुए उसके भेदों को समझाइए। (5)

अथवा

क्रिया की परिभाषा देते हुए क्रिया के भेद लिखिए